राज
कॉमिक्स
विशेषांक
संख्या 58
मौत के चेहरे
सुपर कमांडो
ध्रुव
एक आकर्षक
स्टीकर मुफ्त
1996

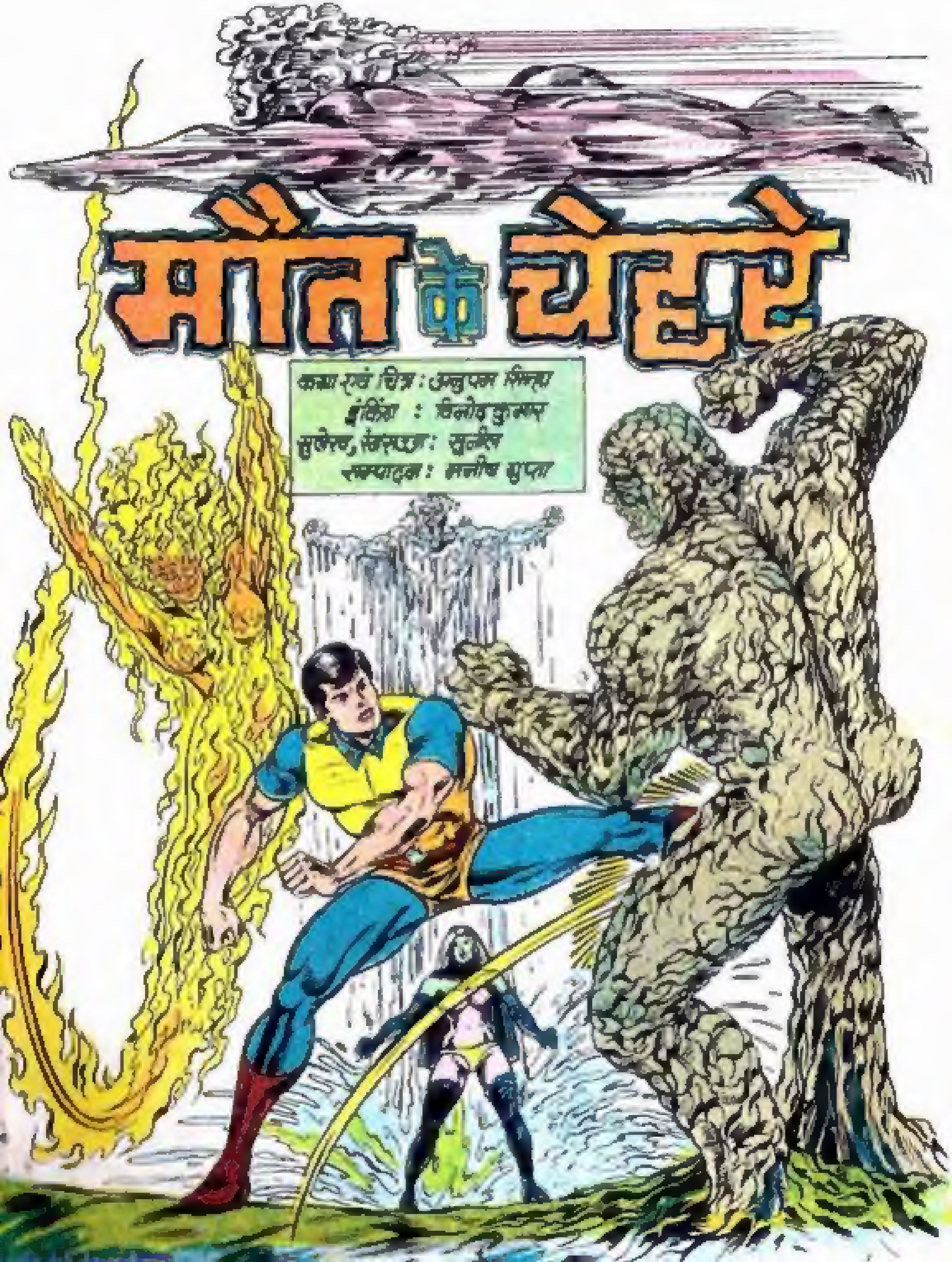

मौत के चेहरे
कथा एवं चित्र : अनुपम सिन्हा
इंकिंग : विनोद कुमार
सुलेख, रंगसज्जा : सुनील
सम्पादक : मनीष गुप्ता

अंतरिक्ष की गहन गहराइयां और उसमें चमकते सितारे—
कुछ वैसे ही लगते हैं, जैसे विशाल शांत समुद्र में तैरती चमकीली मछलियां—
लेकिन इस समुद्र में कब तूफान आ जाएगा, यह कोई नहीं जानता—
अब वह बचकर नहीं जा सकती!
आने वाले पल में—
वे एकदम मेरे पीछे हैं। मुझे एक बार फिर अपने यान की गति प्रकाश की गति के बराबर करनी होगी।...
...ताकि मैं अंतरिक्ष से 'परा अंतरिक्ष' में प्रवेश करके इनकी आंखों से ओझल हो जाऊं...
...इसमें खतरा तो है...
...लेकिन मुझे यह खतरा उठाना ही होगा, मैं...
अरे! यह क्या?

☆ पढ़ें 'हत्यारी शक्तियां' : ये ब्रह्मांड किरणें, नागराज अपनी लैब में, 3 धनुराशि को बचाने के लिए खींच रहा था—

और किसी को इसका आभास तक नहीं था—
ओफ़! इतनी सुबह-सुबह कौन आ गया? दरवाजा भी मुझे ही खोलना पड़ेगा!...
डिंग डांग
...क्योंकि मम्मी किचन में हैं। और उनकी तरफ से इस घर में नौकर रखने की सख्त मनाही है!
अब मुझे इस घर में बेटी का भी रोल करना है...
डिंग डांग
...और नौकर का भी...
नताशा, तुम?
...इतनी सुबह-सुबह भी! गुड मॉर्निंग, गुड मॉर्निंग!
क्या बात है? बड़ी परेशान लग रही हो?
घर में चायपत्ती खत्म हो गई क्या? चलो, आज हमारे यहां चाय पी लो!
मैं चाय पीने नहीं आई श्वेता!
मुझे तुम्हारे डैडी से कुछ काम था, अर्जेन्ट!

 ★ पीटर को गोली कैसे लगी, जानने के लिए पढ़ें - 'सर्कस'।

लेकिन डॉक्टर अभी भी मुझे डिस्चार्ज करने को तैयार नहीं हैं। गोली ने हाथ की कई मांसपेशियों को बुरी तरह से खत्म कर दिया है।
अभी भी आप हाथ से एक पेन तक उठाने की मनाही है।
ठीक। हां, हालचाल तो ठीक हूं।
अच्छा सुनो। एक जरूरी काम था। मुझे इस महीने की तनख्वाह यहीं नर्सिंग होम में चाहिए। क्या है।
पर क्यों पीटर? पैसे की क्या जरूरत आ पड़ी? तुम्हारा सारा खर्च तो कंपनी हेड-क्वार्टर उठा रहा है।
है कुछ जरूरत। तभी तो पैसे मांग रहा हूं।
न तुम समझ पाओगे, अनिल, और न ही मैं तुमको समझा पाऊंगा।
ये बात मैं किसी को भी नहीं बता सकता कि मुझे पैसे क्यों चाहिए।
और लगभग इसी वक्त —
मिल गई खराबी। ब्रह्मांड किरणों के तूफान ने मेरे यान के 'फ्यूल-टैंक' में छेद कर दिया है।
और फ्यूल का स्तर कम होने की वजह से, मेरे यान की पॉवर मिलनी बंद हो गई है।

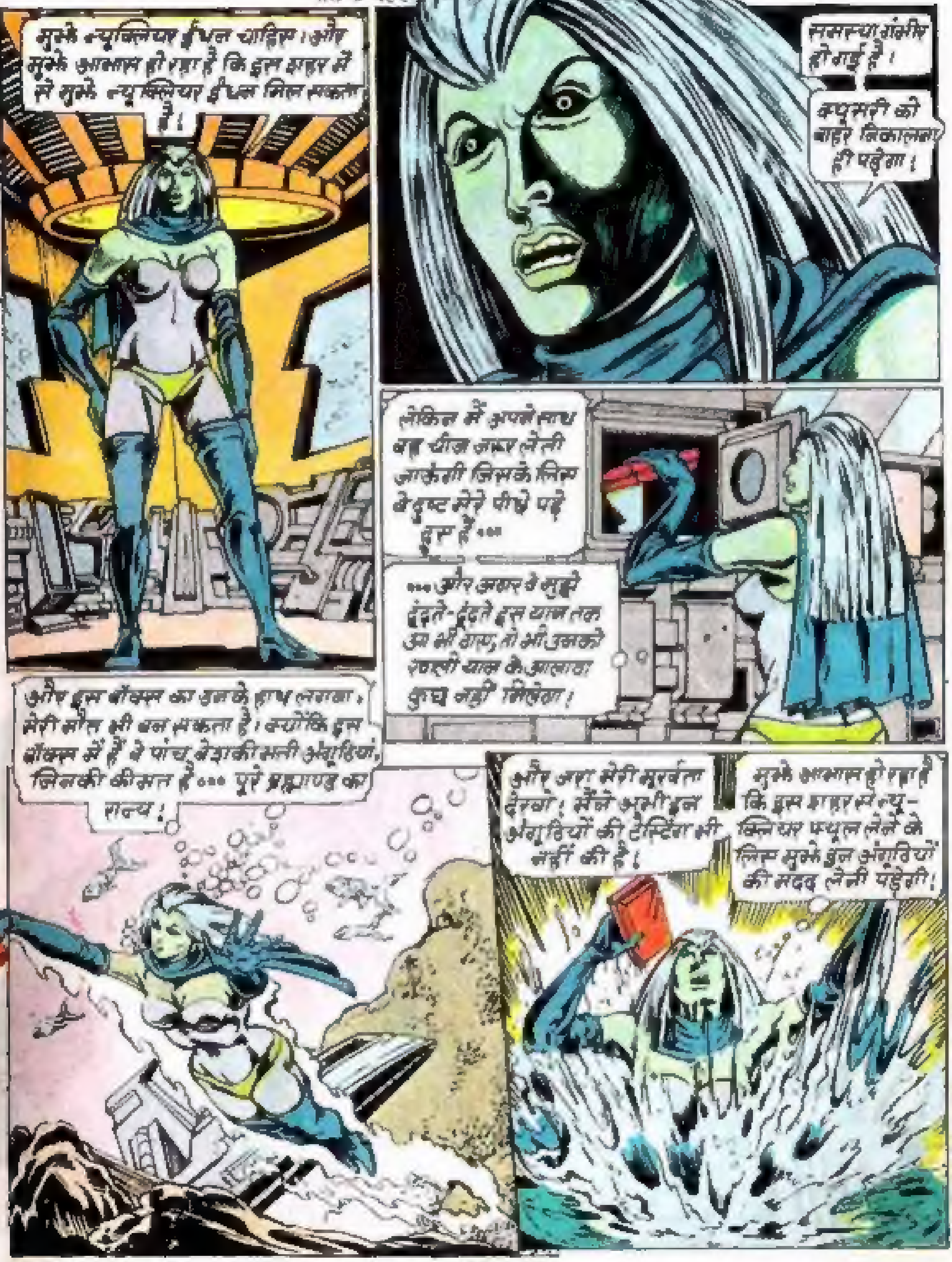
मुझे न्यूक्लियर ईंधन चाहिए। और मुझे आभास हो रहा है कि इस शहर में से मुझे न्यूक्लियर ईंधन मिल सकता है।
समस्या गंभीर हो गई है।
कप्सूमरी को बाहर निकालना ही पड़ेगा।
लेकिन मैं अपने साथ वह चीज जरूर लेती जाऊंगी जिसके लिए वे दुष्ट मेरे पीछे पड़े हुए हैं...
...और अगर वे मुझे ढूंढते-ढूंढते इस यान तक आ भी गए, तो भी उनको खाली यान के अलावा कुछ नहीं मिलेगा!
और इस बॉक्स का उनके हाथ लगना, मेरी मौत भी बन सकता है। क्योंकि इस बॉक्स में हैं वे पांच बेशकीमती अंगूठियां, जिनकी कीमत है... पूरे ब्रह्माण्ड का राज्य!
और जरा मेरी मूर्खता देखो! मैंने अभी इन अंगूठियों की टैस्टिंग भी नहीं की है!
मुझे आभास हो रहा है कि इस शहर से न्यूक्लियर फ्यूल लेने के लिए मुझे इन अंगूठियों की मदद लेनी पड़ेगी!

खैर जो भी हो! फिलहाल तो मेरा उद्देश्य जल्दी से जल्दी न्यूक्लियर फ्यूल हासिल करके, इस अजनबी ग्रह से बाहर निकलना है।
यहां से कुछ किलोमीटर की दूरी पर –
मदद के लिए धन्यवाद, रिचा!
लेकिन वह आखिरी मैसेज 'फ्लैश' करने का क्या मतलब था?
मतलब? अरे, सीधी-सादी अंग्रेजी तो थी। आई... लव... यू!
यह असल हिन्दी में बोलो तो बड़ी लगती है। अंग्रेजी में बोलो तो लगता है कि बचपन से यही बात बोलते आ रहे हैं।
यह... औं... बेहूदा सा लगता है, यानी कि... यानी कि, मतलब समझे न!
अच्छी तरह समझ गया! तुम भी कमाल की लड़की हो रिचा! दो-चार मुलाकातों में ही प्यार का इजहार करने लगी!
ये 'जेट-एज' है ध्रुव! सब काम फटाफट करना पड़ता है... ...और मुझे बात छिपाने की आदत नहीं है। तुम मुझे अच्छे लगे, तो मैंने तुमको साफ-साफ बता दिया!

ये 'तुम्हारा' ख्याल है रिचा! मैंने इस बारे में कभी सोचा तक नहीं। फिलहाल तुम मेरे लिए सिर्फ एक दोस्त हो। एक अच्छी दोस्त!
ओ० के०! हम तुम्हारी राय बदलने का इंतजार कर लेंगे।
तब तक एक-एक कप कॉफी तो हो...
ओह!
रिचा!
क्या हुआ, रिचा? क्या हो गया तुमको?
इसको जो हुआ है, वह सामने दिख रहा है...
...मिस्टर ध्रुव! लेकिन तुमको क्या हुआ है!
रात भर किसी लड़की के साथ रहना, शायद तुम्हारा नया शौक है!
नताशा! तुम यहां पर कैसे?
क्यों? शॉक लगा मुझे यहां देख कर? तुम्हारी प्राइवेसी में खलल पड़ गया!

शक तो मुझे पहले ही हो गया था। शुरू से ही तुम इस लड़की पर जरूरत से ज्यादा मेहरबान थे। लेकिन इतने ज्यादा मेहरबान हो, यह मैंने नहीं सोचा था।
अक्ल से काम लो, नताशा! तुम गलत समझ रही हो। दरअसल...
अक्ल से काम लेती, तो ये नौबत ही नहीं आती, मिस्टर ध्रुव!
तुम्हारी अक्ल तुम्हीं को मुबारक हो... और यह लड़की भी!
गुड बाय मिस्टर ध्रुव!
हैव ए नाइस टाइम!
सुनो तो नताशा...
उफ़, किसने जोर से दरवाजा बंद किया!
अब धीरे-धीरे प्याज जैसी इस दुनिया की परतें मेरे सामने खुल रही हैं। इसका असली रूप मेरे सामने आ रहा है...
...और वह असली रूप बहुत घिनौना है। अपराध, रिश्वत, आतंकवाद और झूठ से सना हुआ रूप।
मेरी छोड़ी हुई जुर्म की दुनिया से भी ज्यादा घिनौना!

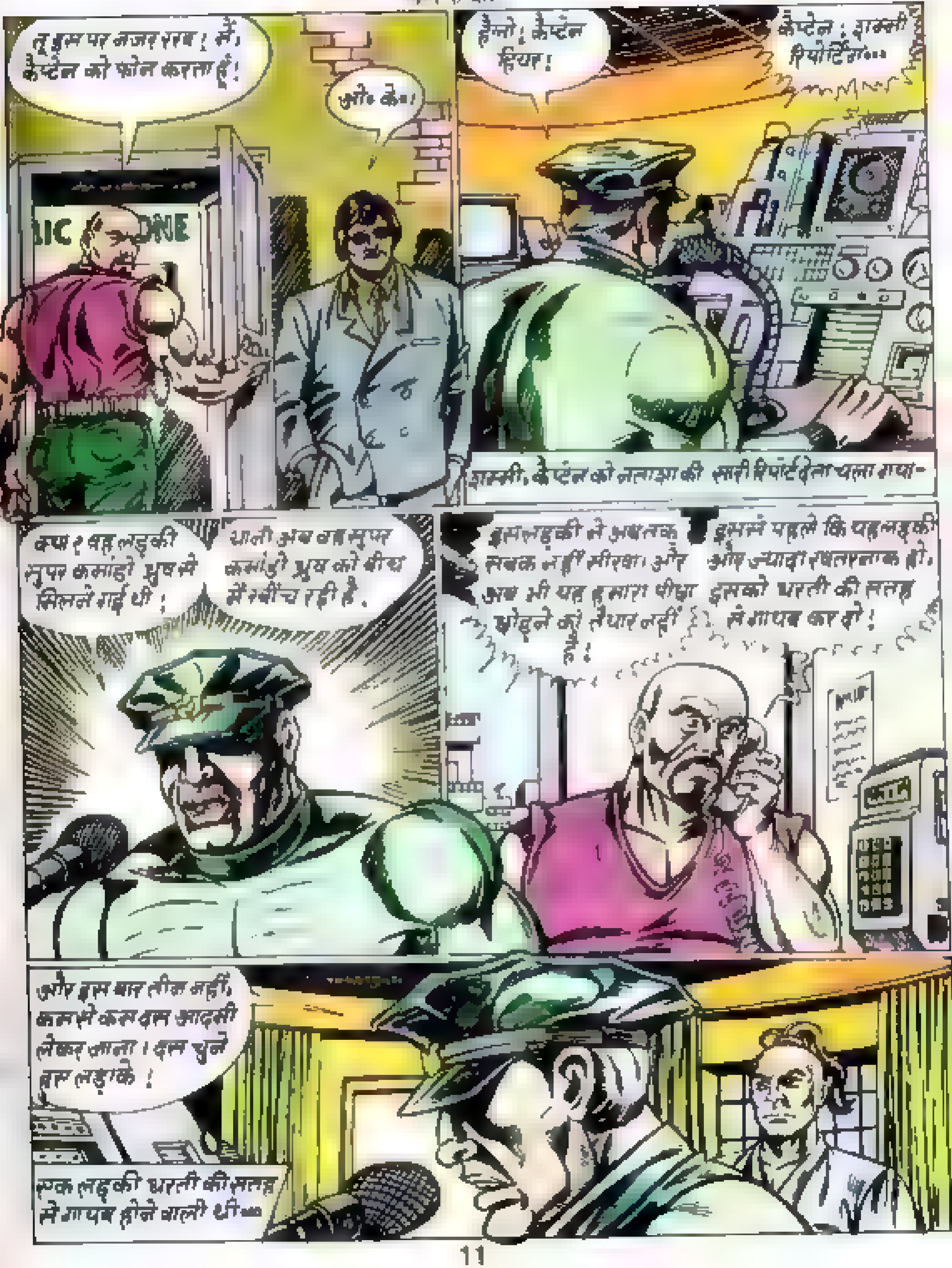
तू इस पर नजर रख! मैं, कैप्टेन को फोन करता हूँ!
ओ० के०!
हैलो! कैप्टेन हियर!
कैप्टेन; शम्भी रिपोर्टिंग...
शम्भी, कैप्टेन को तलाश की सारी रिपोर्ट देता चला गया—
क्या? यह लड़की सुपर कमांडो ध्रुव से मिलने गई थी!
यानी अब वह सुपर कमांडो ध्रुव को बीच में खींच रही है.
इस लड़की ने अब तक सबक नहीं सीखा। और अब भी यह हमारा पीछा छोड़ने को तैयार नहीं है!
इससे पहले कि यह लड़की और ज्यादा खतरनाक हो, इसको धरती की सतह से गायब कर दो!
और इस बार तीन नहीं, कम से कम दस आदमी लेकर जाना। दस चुने हुए लड़ाके!
एक लड़की धरती की सतह से गायब होने वाली थी...

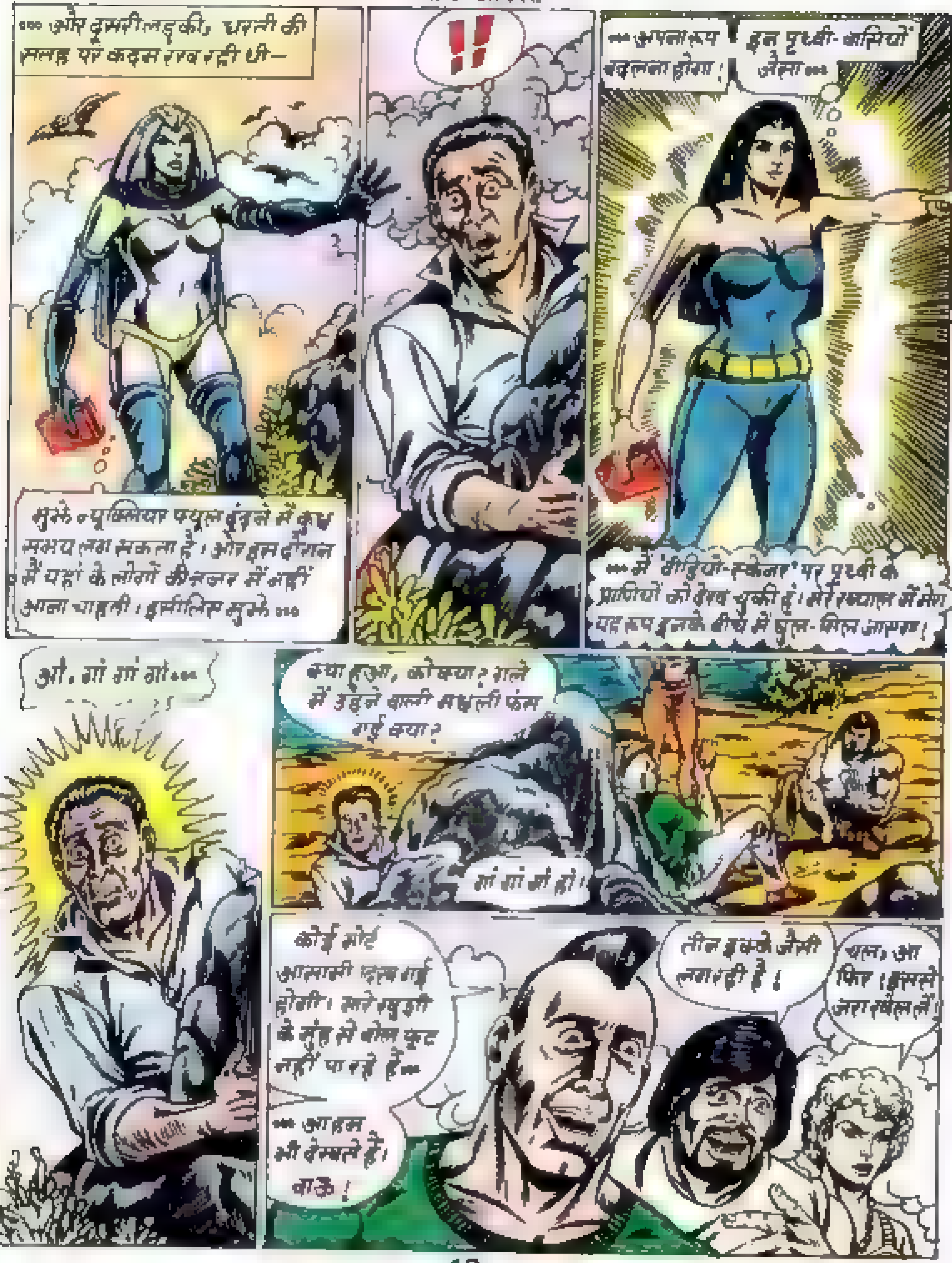
...और दूसरी लड़की, धरती की सतह पर कदम रख रही थी—
!!
...अपना रूप बदलना होगा!
इन पृथ्वी-वासियों जैसा...
मुझे ... फ्यूल ढूंढने में कुछ समय लग सकता है। और इस दौरान मैं यहां के लोगों की नजर में नहीं आना चाहती। इसीलिए मुझे...
...मैं 'वीडियो-स्क्रीन' पर पृथ्वी के प्राणियों को देख चुकी हूं। मेरे ख्याल में मेरा यह रूप इनके बीच में घुल-मिल जाएगा।
ओ, गां गां गों...
क्या हुआ, कोकया? गले में उछलने वाली मछली फंस गई क्या?
गां गां गां हो।
कोई मोटी आसमानी ... होगी। ... के मुंह से बोल फूट नहीं पा रहे हैं...
...आ हम भी देखते हैं।
वाऊ!
तीन इक्के जैसी लग रही है!
चल, आ फिर! इससे जरा खेल लें!

अब मुझे इनकी मदद की जरूरत पड़ सकती है। इनकी-- वाली इस डिब्बे में रखे खजाने की...
...इन पांच अंगूठियों की।
पर एक समस्या है। अगर मैं इन पांचों अंगूठियों को पहन लूं, तो एक बार में सिर्फ एक अंगूठी की शक्ति ही काम में लाई जा सकती है!
और यह मेरे लिए परेशानी पैदा करने वाली बात हो सकती है!
और... सबसे पहले तो इस 'कंट्रोलर-रिंग' को पहना जाए, जिसमें इसकी शक्ति के साथ-साथ दूसरी अंगूठियों को कंट्रोल करने की शक्ति भी है...
...और इसके बाद अपने देश को खोजा जाए, जो मुझे न्यूक्लियर-फ्यूल तक पहुंचा...
कीं ईईई ई
सुबह-सुबह इतनी सुन्दर लड़की का, इतनी कीमती अंगूठियां लेकर नहीं निकलना चाहिए!

...इसको हम संभालकर रख लेते हैं, सुन्दरी ! तू घूम-घामकर, टहल-टहलाकर वापस आ, फिर हमसे ले जाना !
हम ! चार प्राणी ! अब मुझे किसी चीज की दिक्कत नहीं !
यं यं यं !
दिक्कत नहीं है तो अब यहां से फूट ले ! श्ssss ! ही ही ही !
!
ये अंगूठियां तो मैं तुम लोगों को वैसे ही पहना देती...
...लेकिन तुम लोगों ने जबरदस्ती करने की कोशिश की...
...और जबरदस्ती मुझे...
...पसन्द नहीं !
तड़ाक
आऽऽह !

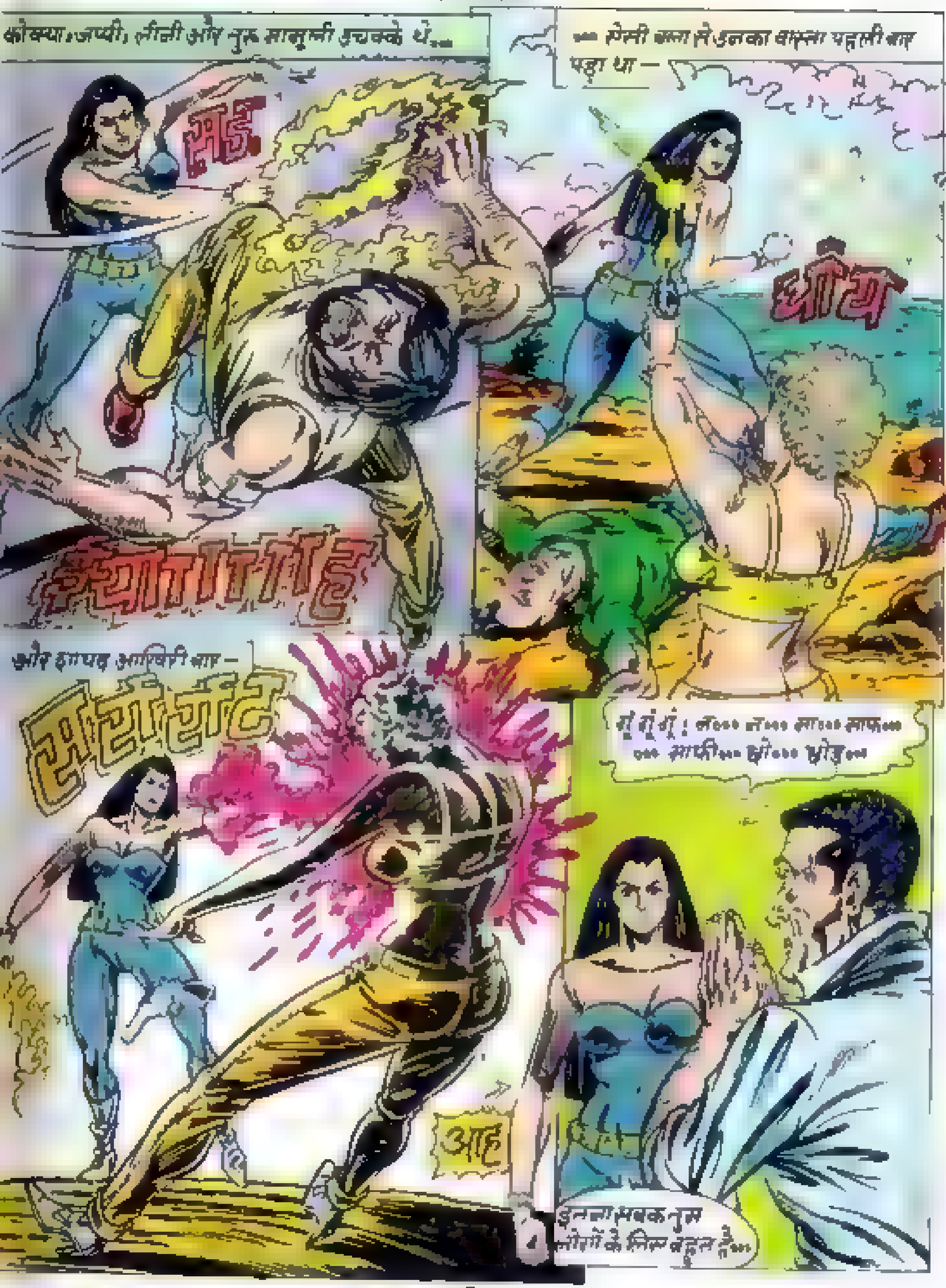
जग्गी, लीनी और कुछ मामूली उचक्के थे...
... ऐसी बला से उनका वास्ता पहली बार पड़ा था —
और शायद आखिरी बार —
आह
इतना सबक तुम लोगों के लिए बहुत है...

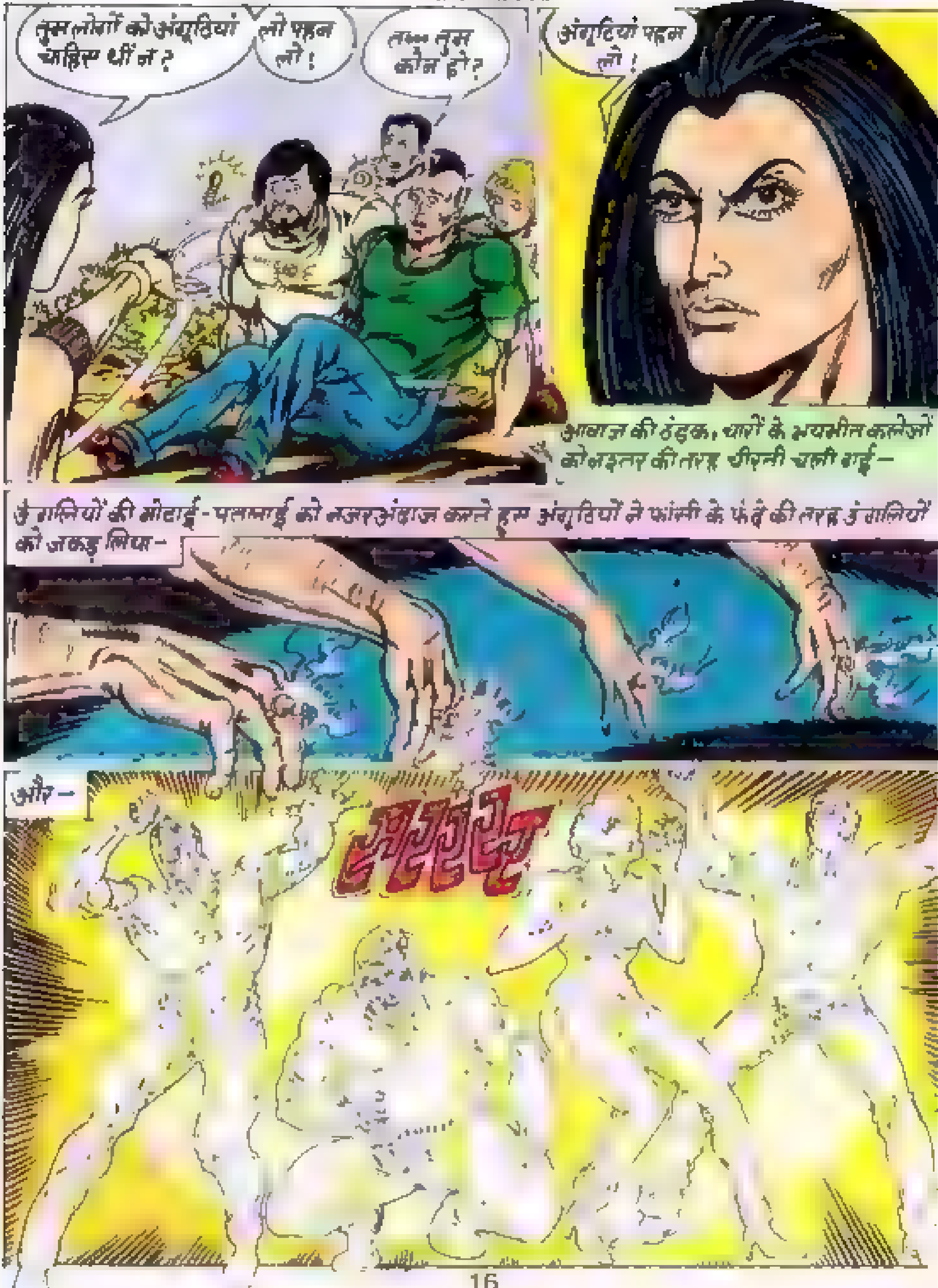
तुम लोगों को अंगूठियां चाहिए थीं न?
लो पहन लो!
त... तुम कौन हो?
अंगूठियां पहन लो!
आवाज़ की ठंडक, चारों के भयभीत कलेजों को नश्तर की तरह चीरती चली गई—
उंगलियों की मोटाई-पतलाई को नज़रअंदाज करते हुए अंगूठियों ने फांसी के फंदे की तरह उंगलियों को जकड़ लिया—
और—

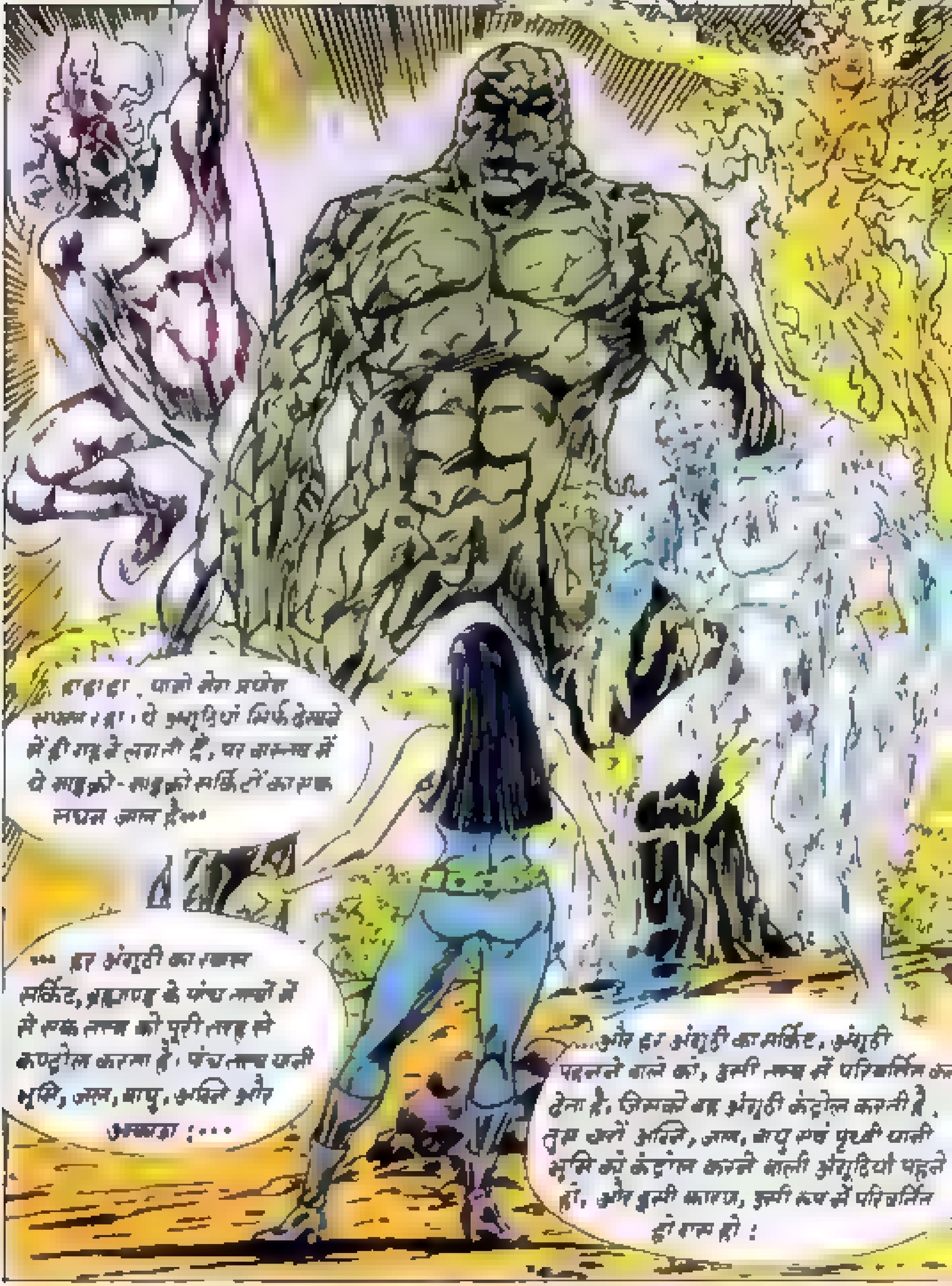
हा हा हा, यानी मेरा प्रयोग सफल हुआ। ये अंगूठियां सिर्फ देखने में ही गहने लगती हैं, पर वास्तव में ये जादुई शक्तियों का एक
... हर अंगूठी का सर्किट, ब्रह्माण्ड के पंच तत्वों में से एक तत्व को पूरी तरह से कण्ट्रोल करता है। पंच तत्व यानी भूमि, जल, वायु, अग्नि और आकाश:...
...और हर अंगूठी का सर्किट, अंगूठी पहनने वाले को, उसी तत्व में परिवर्तित कर देता है, जिसको वह अंगूठी कंट्रोल करती है, तुम चारों अग्नि, जल, वायु एवं पृथ्वी यानी भूमि को कंट्रोल करने वाली अंगूठियां पहने हो, और इसी कारण, इसी रूप में परिवर्तित हो गए हो!

★ निर्वात. ऐसी जगह जहां वायु का एक भी अणु मौजूद नहीं।

ओ॰ के॰ ! तो फिर मैं चलता हूं . अगर किसी मदद की ज़रूरत पड़े तो कमांडो क्वार्टर में मैसेज भेज देना !
अब मैं भी जाकर थोड़ा आराम करूंगा !
लेकिन उससे पहले नताशा को ढूंढकर सच्चाई समझानी पड़ेगी । बगैर कुछ समझे नाराज़ हो गई !
ये लड़कियां भी बस ! पूछो मत !
GREENBELT APA
अरे ! कहां गई ? अभी पांच मिनट पहले ही तो नीचे आई होगी !
शायद श्वेता के पास गई हो !
पर... रिया को चक्कर क्यों आया ? देखने में तो अच्छी भली स्वस्थ लड़की है...
...कहीं उसको यह चक्कर जानबूझकर तो नहीं आया ! नताशा के आने की आहट सुनकर !
पर सच्चाई कुछ और ही थी –
आखिर डॉक्टर शिन्दे का कहना सच ही हो गया । मुझे वह खतरनाक बीमारी हो गई है । चक्कर आना इसी बीमारी का पहला लक्षण है...
...और उस बीमारी का इस दुनिया में कोई इलाज नहीं है !

* मुझे तुम पर गर्व है श्वेता।

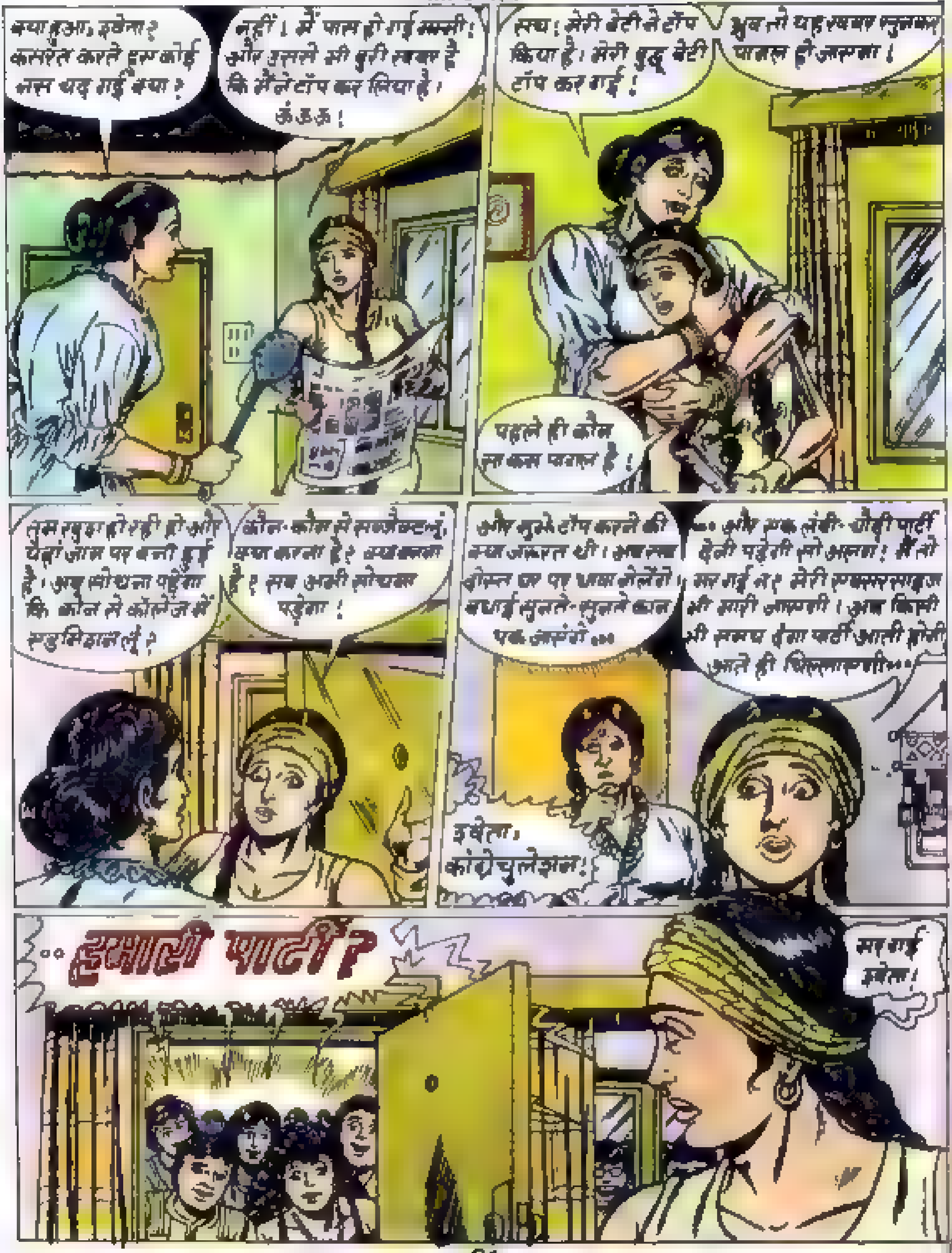
क्या हुआ, श्वेता? कसरत करते हुए कोई नस चढ़ गई क्या?
नहीं। मैं पास हो गई मम्मी! और उससे भी बुरी खबर है कि मैंने टॉप कर लिया है। ऊँऊँऊँ!
सच! मेरी बेटी ने टॉप किया है। मेरी बुद्धू बेटी टॉप कर गई!
अब तो यह खबर सुनकर पागल हो जाएगा।
पहले ही कौन सा कम पागल है!
तुम खुश हो रही हो और यहां जान पर बनी हुई है। अब सोचना पड़ेगा कि कौन से कॉलेज में एडमिशन लूं?
कौन-कौन से सब्जेक्ट्स लूं, क्या करना है? सब अभी सोचना पड़ेगा!
और मुझे टॉप करने की क्या जरूरत थी। बधाई सुनते-सुनते कान पक जाएंगे...
...और एक लंबी-चौड़ी पार्टी देनी पड़ेगी सो अलग! मैं तो मर गई न? मेरी एक्सरसाइज भी मारी जाएगी। आते ही चिल्लाएगी...
श्वेता, कांग्रेचुलेशन!
...हमारी पार्टी?
मर गई श्वेता!

ध्रुव भी यह खबर सुनने के लिए घर की तरफ ही बढ़ रहा था —
अहा! ध्रुव भैया! सुबह-सुबह उठने का पैसा वसूल हो गया!
लेकिन वह यह नहीं जानता था कि आज घर का रास्ता काफी लंबा होने वाला है—
शायद किसी बच्चे ने रिमोट कंट्रोल वाला प्लेन छोड़ा... नहीं!
...ये कोई और ही चीज है... देखना पड़ेगा कि यह है क्या?
मोटरसाइकल उड़ाने का समय... नहीं है इसका पीछा करने के लिए...
मुझे वह स्केट बोर्ड चाहिए!
और कुछ ही पलों बाद —
अरे! ध्रुव भैया ने मुझसे स्केट बोर्ड मांगा। अब वापस करने आएंगे तो मैं बोर्ड पर उनके ऑटोग्राफ भी ले लूंगा!

अब सबसे पहला काम इस 'चीज' को रोकना है। और फिर यह देखना है कि वह चीज आखिर है क्या?
और यह काम मेरी 'नाइलो-स्टील' लाइन बखूबी कर सकती है।
ध्रुव की बेल्ट से निकलकर नाइलो-स्टील लाइन–
...हवा में उछली, और अपने निशाने पर जा अटकी–
यह दृश्य अनदेखा नहीं गया–
अरे, यह प्राणी मेरे 'ट्रेसर' को रोकने की कोशिश कर रहा है... लेकिन कुछ ही पलों में इसको पता चल जाएगा कि यह इतना आसान नहीं है।
सचमुच यह काम आसान नहीं था–
अब एक झटके में यह उड़नयान नीचे... अरे! अरे!
यह तो बहुत पावरफुल यान है। मुझे घसीटता हुआ ले जा रहा है!
और मुझे आभास हो रहा है कि स्केटिंग बोर्ड से उतरने के बाद भी यह मुझे घसीट सकता है। जब तक कोई रास्ता न सूझे, तब तक मुझे ऐसे ही...
ध्रुव की आंखें आश्चर्य से फैलती चली गईं।

...क्योंकि वह यान उसको, उसकी मौत की तरफ ले जा रहा था—
ओह! यान मुझे उस तेज गति से आती बस की तरफ ले जा रहा है!...
...इस यान को 'या' तो कोई कंट्रोल कर रहा है, और या इसमें अपने-आप सोचने समझने के लिए 'कंप्यूटराइज्ड सर्किट' लगा हुआ है।
इतनी तेज गति में तो इतना भी समय नहीं है कि मैं दाएं-बाएं कूद कर बच सकूं। समय है तो बस झुकने का...
...और बचने का...
और साथ ही साथ इस यान के इस अटैक ने मुझे वह रास्ता भी सुझा दिया है...
...जिससे कि मैं इस यान को भी...

••• रोक सकता हूं।
नतीजा-
स्टील डोरी का दूसरा छोर बस में फंस गया-
विपरीत दिशा में उड़ रहे, उड़न पाल ने बस को भी खींचने की कोशिश की-
लेकिन इस प्रयास में •••
••• उल्टे उसी के नर्वस पर ज़ोर पड़ने लगा—
पावर, ओवरलोड होने लगी—
और कुछ क्षणों की कशमकश के बाद-
ट्रेसर फट गया। मेरा ट्रेसर नष्ट हो गया। इस प्राणी ने मेरा ट्रेसर नष्ट कर दिया।
अब मुझे अपने यान में वापस जाकर एक नया ट्रेसर बनाना होगा। उसमें पता नहीं कितना समय लग जाए।
और मेरे पास समय की ही कमी है। दुश्मन मेरे सिर पर खड़े हैं••• मेरा सारा प्लान लेट हो गया।
और यह भी इस तुच्छ प्राणी के कारण•••
••• इसको मैं कीड़े की तरह मसल कर रख दूंगी•••
एक बार में ही राख की ढेरी के अलावा, और कुछ नहीं बचेगा•••
••• पर नहीं! अब प्राणियों की भीड़ बढ़ती आ रही है। इस समय इस पर हमला करने का मतलब है इन प्राणियों का ध्यान अपनी तरफ आकृष्ट करना!
मैं एक और मुसीबत मोल नहीं ले सकती। अब तो सिर्फ एक ही रास्ता है•••
••• कि मैं वापस जाकर एक नया ट्रेसर बनाऊं!

क्यूरसी का वापस जाना किसी ने भी नहीं देखा—
ध्रुव ने भी नहीं! और न ही क्यूरसी ने यह देखा कि ध्रुव क्या कर रहा है —
वर्ना शायद वह इतनी जल्दी वापस नहीं जाती—
इस 'रहस्य यंत्र' के टुकड़े शायद इस यंत्र के बारे में कुछ जानकारी दे सकें!
और उधर हार्ट नर्सिंग होम में—
कैसे हो पीटर?
फादर परेरा! आप यहां पर कैसे?
इस महीने तुम्हारी कोई खबर नहीं मिली तो कलांगुटे फोर्स के हेडक्वार्टर गया था!
वहां से करीम ने मुझे तुम्हारा पता बताया! मुझे मालूम नहीं था कि तुम नर्सिंग होम में हो!
अच्छा हुआ, आप आ गए फादर! मैं किसी के हाथ से पैसे भेजने की सोच ही रहा था!
अब उसकी जरूरत नहीं है, पीटर!
वह दो दिनों से अपने कमरे से लापता है।
क्या?
पर कहां गया वह? पैसे भेजने में मुझे तो सिर्फ चार दिनों की ही देरी हुई है!
उसके लिए चार दिनों की देरी ही बहुत थी, पीटर!

अब क्या करें ? कहां मिलेगा वह ?
एक-दो दिन देखते हैं, पीटर ! शायद वह अपने-आप वापस आ जाए। वर्ना पुलिस को इंफार्म करना पड़ेगा !
और अब में—
हुम ! तो तूने टॉप कर लिया !
बगल वाली सीट पर कोई तेज बच्चा बैठा होगा !
बगल वाली सीट ! तुम्हारा मतलब है कि मैंने नकल की ?
देखो, भइया ! नकल करे मेरी जूती ! वैसे ही सुपर इंटेलीजेंट प्राणी हूं !
और कुछ भी हो ! अगर तू टॉप कर सकती है तो बाकी बच्चों का क्या स्टैंडर्ड होगा ? सोचकर ही कंप-कंपी आ जाती है !
तो फिर स्वेटर पहन लो ! बधाई देना तो दूर, तब से मज़ाक उड़ाए जा रहे हो !
मैं तो चली बाहर की हवा खाने !
आज का दिन तो नोट करके रखना चाहिए। आज मैं तुमसे पहली बार बहस में जीता हूं... हैव ए नाइस वॉक !
ये भइया की तो मैं ऐसी-तैसी
ओ भइया ! थैंक्यू !

सूर्य धीरे-धीरे पूर्व से, पश्चिम की तरफ बढ़ रहा था –
और राजनगर में हलचलें बढ़ती ही जा रही थीं –
INDIAN TIMES
और कंप्यूटर-स्क्रीन पर वह मैसेज तब तक मौजूद था... ★
— 'आई लव यू'! और नीचे नाम था... लिखा!
जाहिर है कि वह मैसेज मुझ के लिए ही था!
★ पढ़ें –
ओह... हाँ... होगा! पर यह सब तुम मुझे क्यों बता रहे हो?
वैसे ही नताशा! मैंने सोचा कि यह 'न्यूज़' भी तुमको मालूम होनी ही चाहिए!
थैंक्यू, वेरी मच फार...
हैलो, नताशा हियर...
ओह... नताशा जी, ध्यान से सुनिए! मैं एक ही बार बोल पाऊँगा... मेरे पास आपके लिए एक इंपोर्टेंट खबर है; पर मैं फोन पर नहीं बता सकता!...
...आप तुरंत बंदरगाह के गोदाम नंबर 16 के सामने आइए! मैं वहीं पर आपका इंतजार करूँगा! पर सिर्फ आधे घण्टे तक!
इंतजार करो! मैं आ रही हूँ!
?

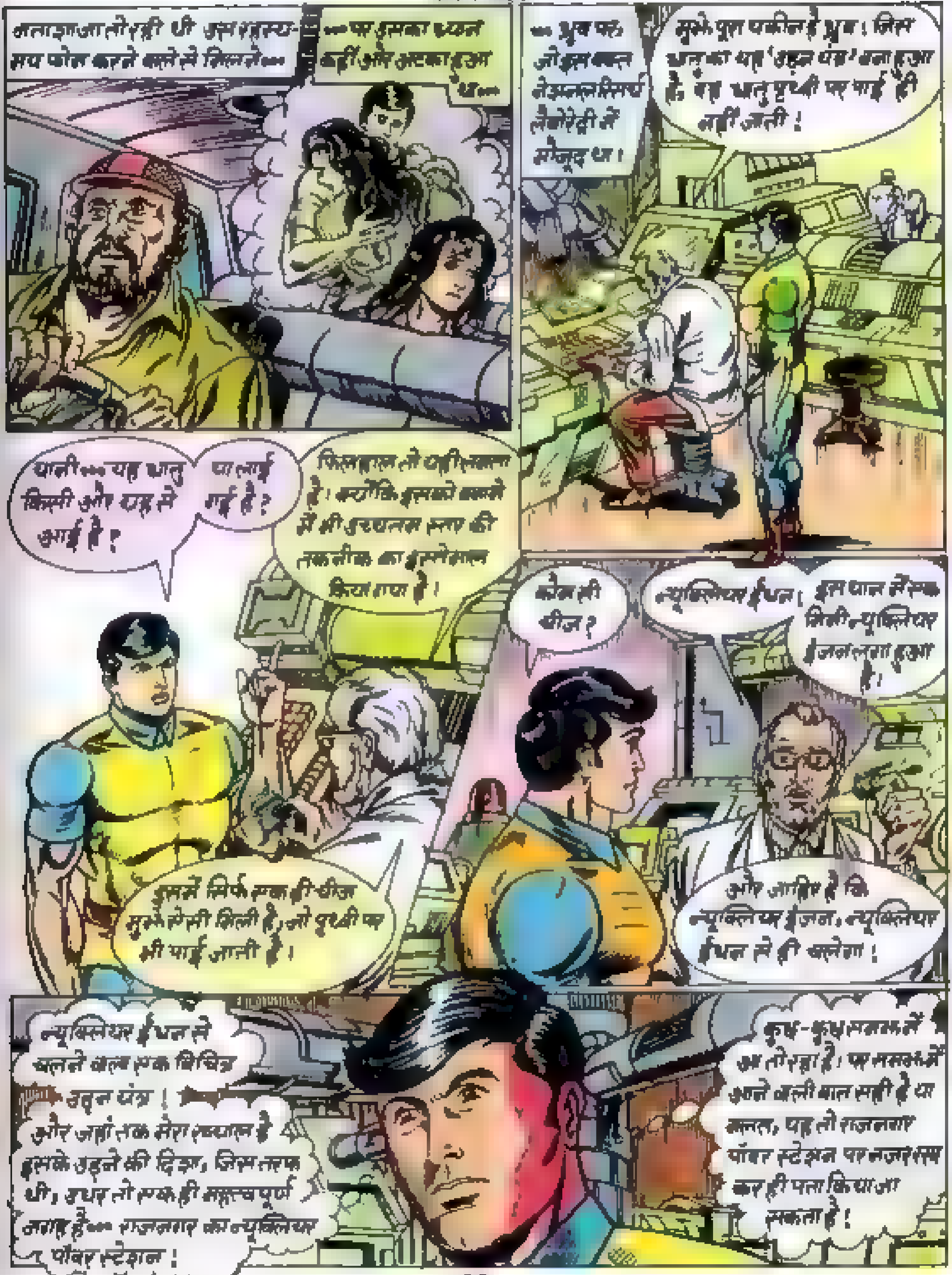
...जा तो रही थी उस रहस्य-मय फोन करने वाले से मिलने...
...पर इसका ध्यान कहीं और अटका हुआ था...
...ध्रुव पर, जो इस वक्त नेशनल रिसर्च लैबोरेट्री में मौजूद था।
मुझे पूरा यकीन है ध्रुव। जिस धातु का यह 'उड़न यंत्र' बना हुआ है, वह धातु पृथ्वी पर पाई ही नहीं जाती!
यानी... यह धातु किसी और ग्रह से आई है!
या लाई गई है?
फिलहाल तो यही लगता है। क्योंकि इसको बनाने में भी उच्चतम स्तर की तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।
इसमें सिर्फ एक ही चीज मुझे ऐसी मिली है, जो पृथ्वी पर भी पाई जाती है।
कौन सी चीज?
न्यूक्लियर ईंधन।
इस यान में एक मिनी न्यूक्लियर इंजन लगा हुआ है।
और जाहिर है कि न्यूक्लियर इंजन, न्यूक्लियर ईंधन से ही चलेगा!
न्यूक्लियर ईंधन से चलने वाला एक विचित्र उड़न यंत्र! और जहां तक मेरा ख्याल है इसके उड़ने की दिशा, जिस तरफ थी, उधर तो एक ही महत्त्वपूर्ण जगह है... राजनगर का न्यूक्लियर पॉवर स्टेशन!
कुछ-कुछ समझ में आ तो रहा है। पर समझ में आने वाली बात सही है या गलत, यह तो राजनगर पॉवर स्टेशन पर नजर रख कर ही पता किया जा सकता है!

पीटर बेचैन हो रहा था–
सिस्टर, मुझे डॉ० डिल्हार से मिलना है। तुरन्त!
मैं अभी डिस्चार्ज होना चाहता हूं।
सॉरी सर! डॉ० डिल्हार इस वक्त किसी से भी नहीं मिल सकते।
उन्होंने आज और कल के सारे एपाइंटमेंट कैंसिल कर दिए हैं।
और इनमें दो मिनिस्टरों के भी एपाइंटमेंट थे।
ऐसा क्या जरूरी काम आ पड़ा डॉक्टर डिल्हार को?
कोई मरीज आया है थोड़ी देर पहले। शायद सीरियस है। डॉ० डिल्हार पूरा ध्यान उसी को दे रहे हैं।
एक मरीज के पीछे सारे एपाइंटमेंट कैंसिल कर दिए! कौन आ गया ऐसा वी० आई० पी० मरीज?
एक महिला है। डॉ० डिल्हार की पर्सनल फ्रेंड है शायद। इससे ज्यादा तो मैं भी कुछ नहीं जानती।
एक ऐसी महिला, जिसके पीछे मिनिस्टरों तक के एपाइंटमेंट कैंसिल कर दिए डॉ० डिल्हार ने। कौन है यह रहस्यमय महिला?
सभी अपने-अपने सवालों में उलझे हुए थे–
ये है गोदाम नंबर 15 काफी सुनसान जगह है। मुझे फोन करने वाले ने मुलाकात के लिए अच्छी जगह ढूंढी है।
15
बहुत अच्छी जगह है!

...किसी को गोली मार दो तो पूछने वाला कोई नहीं है। लाश उठाकर समुद्र में फेंक दो तो देखने वाला कोई नहीं है।
...और मुझे रास्ते से हटाना चाहता है।
यह अंदाज! तो फोन तुमने किया था। और यह है तुम्हारी महत्वपूर्ण खबर?
यानी कि तुम भी इसी गैंग के आदमी हो, ... की मदद कर रहा है। ☆
☆ पढ़ें - इन्सानी भेड़िये
तुझे हम रास्ते से हटाना नहीं चाहते थे पर तू खुद ही रास्ते से हटना चाहती है।
पांच सेकेंड बाद हम गोली चला देंगे! जिसको याद करना है कर ले।
फट पड़ा कुछ दिलों में दबा नफरत का ज्वालामुखी -
याद आ गया उसको अपनी उस शख्सियत का एक-एक पल जो रिपोर्टर के रूप के नीचे कहीं दब गया था -
शख्सियत - जो थी ... आर्मी के कमांडर की...

...जिसका बचपन बीता था खतरों के साए में –
झुनझुनों के बजाय सुने थे जिसने बारूदों के धमाके –
गुड़ियों के बजाय, जिसकी उंगलियों ने थामी थी बन्दूकें...
...और जिसके शरीर को, मार्शल-आर्ट्स और युद्धकला में प्रवीण पंडितों ने, तपा-तपा कर बना दिया था...
...एक युद्ध की मशीन –

... जिसने अपनी माँ के होते हुए भी, उसकी सूरत को कभी नहीं देखा –
हर तरह के प्यार से महरूम 'कमांडर नताशा' को प्यार की तलाश ने ही, ध्रुव के पास लाकर उसको सिर्फ 'नताशा' बना दिया था –
उसने 'कमांडर' की पदवी के साथ-साथ रोबो और अपराध-जगत को भी छोड़ दिया था –
लेकिन अब... अब वे ही लोग उसका साथ छोड़ रहे थे...
... जो लोग उसके नाम से ही थर-थर काँप उठते थे। अब उसी स्तर के लोग उसकी जिन्दगी को नर्क बनाने पर तुले हुए थे –
लेकिन अब नहीं! अब... बस!
इन जैसे मामूली गुंडे, कमांडर नताशा के तलवे चाटते थे...
... और आज भी चाटेंगे –
भड़ाक

बस! मैं सिर्फ तुझे होश में छोड़ रही हूं। ताकि तू मेरा संदेश अपने बॉस तक पहुंचा सके...
...मैं न तो तुझसे तेरे बॉस का नाम पूछूंगी, और न ही पुलिस को बुलाऊंगी। अब यह लड़ाई मेरे और तेरे बॉस के बीच में है!
जा! और जाकर अपने मालिक से बोल कि मैं उसको पुलिस के हवाले तभी करूंगी, जब मैं पहले उसकी जमकर धुलाई कर लूंगी! जा!
इस दौरान-कहीं पर तेज़ी से काम हो रहा था-
बन गया! मेरा नया 'ट्रेसर' तैयार हो गया। पर मैं इसको अभी नहीं छोडूंगी... तब छोडूंगी, जब इस ग्रह पर अंधेरा हो जाता है, और इस ग्रह के प्राणी सो जाते हैं!
तब मेरा 'ट्रेसर' मुझे ढूंढकर देगा, न्यूक्लियर ईंधन का भण्डार —
NUCLEAR POWER PLANT (RAJNAGAR)
किसी खबर का इंतजार कर रहे ध्रुव के लिए भी इंतजार की घड़ियां खत्म हो रही थीं—
बीं बीं बीं चिर्र...
ओह! तुमने कैसा उड़न यंत्र देखा है?

चलो, मुझे बताओ, वह यंत्र कहां पर है?
और एक भयानक रात की शुरुआत होने ही वाली थी –
यही है वह स्थान, जहां पर न्यूक्लियर फ्यूल का भंडार जमा है....
...और ये बचकानी रुकावटें मुझे रोक नहीं सकतीं।
न, कौन हो तुम? रुक जाओ।

और एक चीख के साथ खेल शुरू हो गया—
राजनगर के न्यूक्लियर पॉवर प्लांट में बहुत कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी...
...हालांकि यह व्यवस्था किसी विशेष हमले को मद्दे नजर रखकर की गई थी...
लेकिन इसका इस्तेमाल हर उस व्यक्ति के खिलाफ किया जा सकता था, जो पॉवर प्लांट परिसर में अनाधिकृत रूप से घुसने की कोशिश करे!
और हर ऐसे व्यक्ति के लिए, सुरक्षा-कर्मियों को एक ही निर्देश था...
...शूट एट साइट!...
...देखते ही गोली मार दो—
अब ये बात दूसरी थी कि गोली असर करे या न करे—
ओ गॉड! गोलियां इससे टकराकर बेकार हो रही हैं, सुपर वूमेन है यह क्या?
नहीं! यह किसी 'फोर्स-फील्ड' के कवच का इस्तेमाल कर रही है!

...इसका एक ही मतलब है। यह कोई मामूली जासूस नहीं है।
आह!
अब मुझे इन छोटे मोटे हादसों से बच कर निकलना होगा।
क्योंकि हर ऐसा हादसा, मेरा थोड़ा सा समय नष्ट कर देता है...
...और समय ही एक ऐसी चीज है, जो इस वक्त मेरे पास नहीं है...
...अब मुझे...
विमान भेदी तोपें, वैसे तो किसी हमलावर विमान को मार गिराने के लिए नहीं थीं...
...लेकिन इस वक्त उनका रुख नीचे की तरफ था —
और वो रॉकेट, हवा में कई किलोमीटर ऊपर उड़ रहे विमानों को मार गिराने की ताकत रखते हैं...
...उनका एक नर्म शरीर पर क्या असर होगा, यह सोचना ज्यादा मुश्किल काम नहीं है —

यही वह पल था, जब ध्रुव न्यूक्लियर पॉवर-स्टेशन आ पहुंचा था—
ओह! लगता है मुझे पहुंचने में थोड़ी सी देर हो गई है।
धड़ाम
जिस गड़बड़ की मुझे आशंका थी, वह शुरू हो चुकी है... इन 'फेंसो' में ४४० वोल्ट का करन्ट दौड़ रहा है मुझे बचकर निकलना होगा।
लेकिन इस 'फेंस' में पहले से ही एक छेद है! जरूर गड़बड़ी फैलाने वाला यहीं से अंदर घुसा है।
कर्नल साहब! क्या गड़बड़ हो गई है यहां पर?
ध्रुव! तुम यहां? खैर! पीछे ही रहो! यह लड़की इस मुसीबत की जड़ है...
...हमने इसे बेकाबू कर दिया है! अब सिर्फ इसे गिरफ्तार करना बाकी है!
लेकिन—
इन प्राणियों का वह वार, मेरी 'फोर्स-फील्ड' को भेद तो नहीं पाया, पर मुझे एक तेज झटका जरूर लग गया! मुझे संभलने में वक्त लगेगा। यानी अब बैकअप यूनिट को बुलाने का वक्त आ गया है!

धूमरी की अंगुली में पड़ी अंगूठी तेज़ी से चमकी –
और –
– आ पहुंची 'रैक-अप यूनिट,–
न्यूक्लियर पॉवर-स्टेशन के परिसर में एक तूफान उठ खड़ा हुआ। तबाही मचाने के लिए –

और इसी दौरान —
हुम! तो उसने हमारे आठ दर्जन हथियारबंद आदमियों को निहत्थे ही पीट दिया...
...और हमको पर्सनल चैलेंज भी दिया है!
फिल्मी बात लगती है।
कौन है यह धुआंधार लड़की?
...जो बाकों को खुल्लम-खुल्ला चैलेंज...
वह गैंगमास्टर रोबो की 'रोबो-आर्मी' की भूतपूर्व कमांडर है, बाकों! रोबो की बेटी... नताशा!
क्या?
तो यह है, नताशा! मेरे भूतपूर्व बॉस गैंगमास्टर रोबो की बेटी! इसकी आवाज मैंने कई बार सुनी है। जब यह मुझे आर्डर दिया करती थी। पर शक्ल कभी नहीं देखी! इंटरेस्टिंग। हम्म!
रोबो तो ध्रुव के डर से भागा-भागा घूम रहा है। और उसकी बेटी मुझे चैलेंज दे रही है... हम्म... उसने मुझको पुलिस से पकड़वाने की कसम खाई है न, कैप्टन?
है कि पुलिस किसको पकड़ती है। तुम एक ऐसे आदमी की तलाश करो कैप्टन, जो सड़क पर आवारा घूम रहा हो, और जिसे पैसे की सख्त जरूरत हो...
...और उसके बाद...
...हा हाहा!

और पॉवर स्टेशन में-
मेरे ये चलों प्यादे, इन सबका ध्यान बंटाए रहेंगे। और इतना ही समय मेरे लिए काफी होगा...
...न्यूक्लियर-फ्यूल ढूंढकर यहां से निकल लेने के लिए...
सभी भौचक्के थे-
य... यह सब क्या है!
मालूम नहीं सर! लेकिन जो कुछ भी है, उस लड़की से ही संबंधित है!...
...क्योंकि इनके आने से एक सेकेंड पहले, उसके हाथ की अंगूठी कसकर चमकी थी!
इनको रोको! किसी भी तरह रोको! वर्ना ये न्यूक्लियर स्टेशन को बम की तरह उड़ा देंगे!
और साथ ही उड़ जाएगा पूरा राजनगर!
रोकने के लिए समय बहुत ही कम बचा था...
...क्योंकि विध्वंस की शुरुआत तो...

••• हो चुकी थी–
ओ माई गॉड! अगर••• अगर यह मेन न्यूक्लियर यूनिट में घुस गया तो••• तो क्या होगा?
हम तो सेना को भी मदद के लिए नहीं बुला सकते! क्योंकि हम तो खुद ही सेना वाले हैं!
घबराने से कुछ नहीं होगा सर! हमको इस मुसीबत से निकलने का रास्ता तलाशना होगा!
और सबसे पहले इस अग्नि-दानव को रोकने का उपाय तलाशना होगा!
क्योंकि मुझे यही सबसे ज्यादा खतरनाक लग रहा है!
पर इसको कैसे रोकोगे? यह तो बढ़ता है, और अंग-अंग से आग उगलता है!
इसकी आग बुझाने का कोई तरीका खोजना होगा सर! कोई भी आग बगैर ऑक्सीजन के नहीं जल सकती!
अगर हम इसकी ऑक्सीजन को ही कट ऑफ••• कर दें!
अब आप देखते जाइए सर! अगर मेरा प्लान सफल हो गया तो आपको इस मुसीबत से छुटकारा मिल जाएगा!
ये क्या कर रहे हो ध्रुव?

आ आ! आ आ!
... इस मुसीबत का ध्यान अपनी तरफ खींच रहे हो। ऐसे तो यह तुम पर हमला...
और इसके शरीर की आग भी बुझकर ठंडी हो जाएगी।
उसके बाद इससे निपटना सिर्फ एक लात का काम है!
तौसी के स्नायुतंत्र को झटका लगाने के लिए, ध्रुव की एक किक ही काफी थी—

...और 'रूपायु-तंत्र' को झटका लगते ही ...ीती अपने असली रूप में आ गई—
ये... यह क्या? मैं तो इसको किसी दूसरे ग्रह से आया समझ रहा था। पर यह तो यहीं की एक लड़की है...
...इसका मतलब है कि ये बाकी तीनों भी मनुष्य ही हैं। और किसी कारण से इस रूप में आ गए हैं!
पर... पर ये इस रूप में आए कैसे?
अगर इसका जवाब मिल जाए तो इनसे निपटने में काफी आसानी...
ओफ्!
इन पतली धारों से बचकर बहुत अकड़ रहा है लड़के...
...ज़रा इस मोटी धार से बचकर तो दिखा!
बच के रह! इसके शरीर से निकलती पानी की तेज धाराएं स्टील की चादर में भी छेद कर सकती हैं!
आह!

आ ह!
ध्रुव का बदन हवा में उड़ता हुआ करंट दौड़ते 'फेंस' से आ टकराया—
लेकिन पानी की छोटी धार के भीषण वार ने उसकी पसलियों में एक तेज दर्द ज़रूर पैदा कर दिया था—
यह तो उसकी किस्मत अच्छी थी कि टकराते वक्त, उसका शरीर हवा में था—
करंट का झटका उसको ज़्यादा ज़ोर से नहीं लग पाया—
आह! आँखों के आगे अंधेरा छा रहा है…
… पर मुझे संभलना होगा! और इस मुसीबत से निपटने का तरीका तलाशना होगा!
… वर्ना पानी की ये तेज धारें, किसी को ज़िंदा नहीं छोड़ेंगी! और अगर ये पानी इस फेंस तक पहुंच गया तो पानी में फैला करन्ट कई लोगों की जान…
… करन्ट! यानी बिजली!
इस 440 वोल्ट के करन्ट को अगर पानी में छोड़ दिया जाए तो इलैक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया पानी में मौजूद हाइड्रोजन और ऑक्सीजन तत्वों को अलग-अलग कर देती है!…
… यानी अब अगर मैं इन हाई वोल्टेज तारों को…

... इस जल-मानव के पानी वाले शरीर से घुस जाऊँ तो इसका शरीर विखंडित होने लगेगा।
शरीर के टूटने से कोबरा के बदन और दिमाग कंप-कंपा उठे—
उसका शरीर, इस झटके को खाते ही अपने असली रूप में आ गया। और असली रूप में आते ही फिर से बिजली का झटका लग गया—
कोबरा भी इस लड़ाई से बाहर हो चुका था—
वाह, भुवन, वाह! तुमने एक और अजूबे को पराजित कर दिया! वाह, कमाल हो तुम और तुम्हारा दिमाग।
अभी सिर्फ दो ही दुश्मन खत्म हुए हैं... पर वो लड़की और 'श्री चट्टान सिंह' कहीं नजर नहीं आ रहे!
ओ माई गॉड! दीवार टूटी हुई है। वे दोनों अंदर पॉवर स्टेशन के अंदर गए हैं। कुछ गड़बड़ करने के लिए।
सबसे पहले तो उस लड़की को ही रोकना है क्योंकि वही इस सारे झगड़े की जड़ है।

जरूर रोक लेता ! पर पहले मुझे तो रोक लो ! उसके बाद आगे बढ़ लेना...
अगर जिन्दा बचे तो !
...दोनों को तिनके की तरह उठाकर फेंक दिया—
यह इस खेल की शुरूआत है लड़के...
...जिसका
...तेरी मौत पर खत्म होगा !
इतनी ऊंचाई से गिरकर खुद ही...

★ धनंजय के बारे में जानने के लिए पढ़ें— 'रोडमास्टर रोबो' एवं 'पंडुकाल की वापसी'

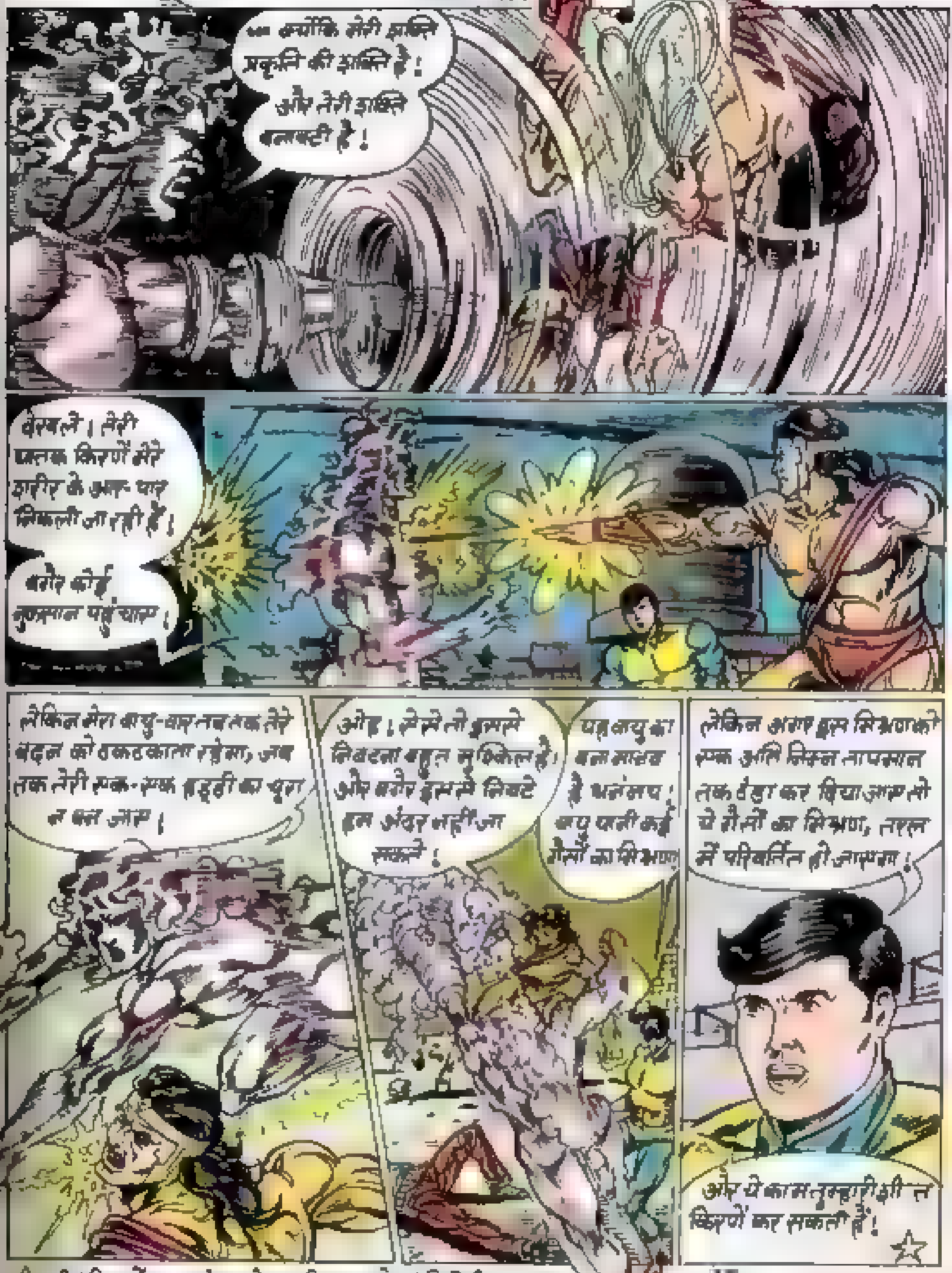

☆ शीत किरणों का धनंजय ने पहली बार प्रयोग 'किरिगी का कहर' विशेषांक में किया था —

शायद तुम ठीक कह रहे हो! वैसे भी, कोशिश करने में कोई हर्ज तो नहीं है!
धनंजय ने अपनी शीत किरणों का एक तेज वार तूफ़ पर किया—
देखते ही देखते, तूफ़ के वायु शरीर का तापमान, शून्य से कई डिग्री नीचे आ गया—
तूफ़ को इस बदलाव से एक जोरदार झटका लगा—
उसने शीत किरणों से बचने की कोशिश की—
मगर 'शीत-किरणों' ने उसका पीछा नहीं छोड़ा—
एक भयानक चीख के साथ, तूफ़ अपने असली रूप में आ गया और नीचे आ गिरा—
रहा-सहा काम ध्रुव ने पूरा कर दिया—

और पॉवर-प्लांट के अन्दर –
ये रहा 'न्यूक्लियर ईंधन' का भंडार। अब इसको यहां से ले जाने के बाद मेरा काम पूरा हो जाएगा। और...
तुम्हारा ये सपना कभी पूरा नहीं होगा...
ओह! फिर वही लड़का!
और साथ में कुछ गार्ड्स भी हैं।
हाथ में खिलौने लिए हुए...
...तुम लोगों को मैं उंगली के एक इशारे से धूल में मिला सकती हूं। लेकिन मेरा मकसद कुछ और है... मैं यहां पर न्यूक्लियर ईंधन लेने आई हूं...
...मेरा गुलाम!
भूमिस्खलन द्वारा अचानक किए गए हमले से सभी सकपका गए –
...मैं तो अपना काम करूंगी और तुम लोगों को रोकेगा...
पर सिर्फ पलभर के लिए। फिर तो बन्दूकें गरज उठीं –
धमाकों से कक्ष गूंज उठा –
और गोलियां बेकार हो गईं –

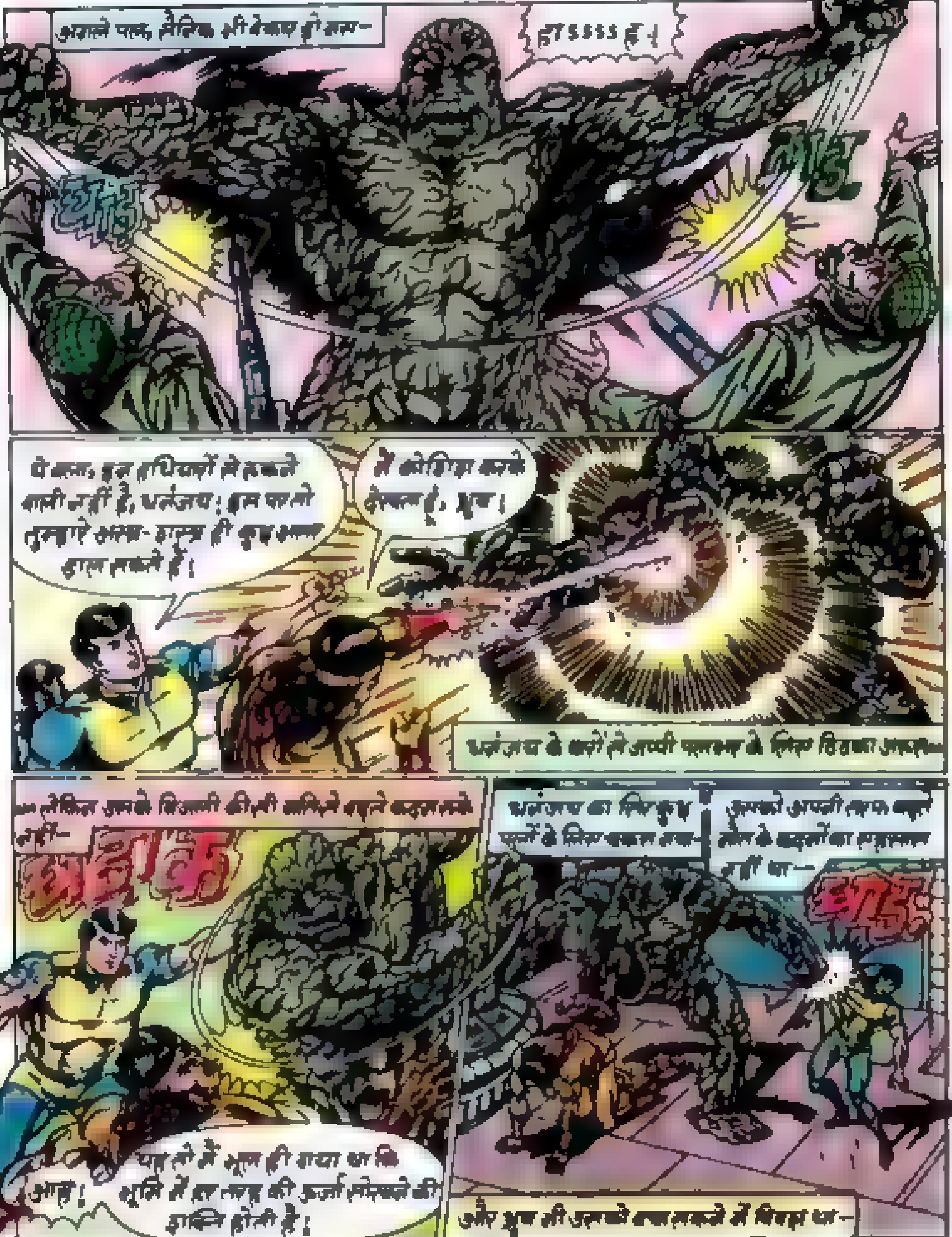
हाऽऽऽऽ ह !
आह !

तभी चमक उठी ध्रुव की आंखों के आगे...
एक पल में पता चल जाएगा!
नीचे पड़ी एक बंदूक उठाकर एक भरपूर वार किया ध्रुव ने अंगूठी पर –
यह अंगूठी! ऐसी ही अंगूठियां तो बाकी तीनों के हाथों में भी थीं...
...कहीं ये ही अंगूठियां इनके रूप बदलने का कारण तो नहीं हैं!
अंगूठी का नग टूटा तो नहीं...
...पर अंगूठी के नग के अंदर के सारे नाजुक माइक्रो-सर्किट हिल उठे। और...
...शॉर्ट सर्किट हो गया –
अंगूठी के शॉर्ट-सर्किट होते ही –
...जग्गी भी अपने असली रूप में आ गया। फिर से बेहोश हो जाने के लिए –
तड़ाक
आह! तुमने तो इसकी भी कमजोर नस ढूंढ ली ध्रुव!
तुम्हारा आखिरी मोहरा भी पिट चुका है, अब तो तुम्हारा न्यूक्लियर-ईंधन उठाकर ले जाने वाला कोई भी नहीं रहा। अब तो आत्म-समर्पण कर ही दो!
मुझे सामान उठाने के लिए किसी सेवक की जरूरत नहीं है, उसके लिए मेरी यह अंगूठी ही काफी है, जो आकाश लोक को कंट्रोल करती है!

ओह! यानी ये पांच अंगूठियां, पांचों तत्वों को कंट्रोल कर सकती हैं।
हां! जैसे मेरी अंगूठी आकाश तत्व को वश में कर सकती है। आकाश यानी निर्वात, वैक्यूम! यानी कुछ नहीं!
यह 'वैक्यूम-फील्ड' की रचना कर सकती है। और यही वैक्यूम ईंधन के कणों को खींचकर मेरे पास तक पहुंचा देता…
…और अगर तुमने मुझे रोकने की कोशिश की तो तुमको भी!
आश्चर्य! तुम जरूर किसी और ग्रह की हो! तुम्हारा विज्ञान तो मुझे भी आश्चर्य में डाल गया। फिर भी मैं तुमको रोक सकता हूं, लड़की!
जरूर रोक सकते हो! लेकिन उससे पहले मैं तुम्हारे दोस्त को खत्म कर सकती हूं। इसलिए ये कोशिश मत करना!
मैं तुम्हारे किसी भी वार को ध्रुव तक पहुंचने से पहले रोक लूंगा!
जरूर रोक सकते हो; अगर तुम पहचान सको कि ध्रुव कौन है; पहचानो…
…ध्रुव कौन है…
ऊर्जा के एक धमाके ने ध्रुव के साथ-साथ तीनों मैकेनिकों को भी उलट-पलट कर रख दिया—

और जब धमाका खत्म हुआ तो—
चार-चार ध्रुव!
हां, लेकिन इनमें से असली सिर्फ एक ही है! अब मैं 'ध्रुव' को आराम से खत्म कर सकती हूं!
क्योंकि ये न तो बोल सकते हैं! और न ही हिल सकते हैं। यह दृष्टिभ्रम तरंगों का 'साइड-इफेक्ट' है!
तुम न तो चारों को एक साथ बचा सकते हो, और नहीं ध्रुव को पहचान सकते हो!
याद रखना, तुम्हारी एक गलत हरकत के बदले में, मैं तुम्हारे दोस्त की जान ले लूंगी!
धनंजय अपनी सारी वैज्ञानिक शक्तियों के बावजूद असहाय सा खड़ा रह गया—
वह कपूसरी को रोकने के लिए कुछ नहीं कर सकता था
लेकिन ध्रुव का दिमाग अभी 'जड़' नहीं हुआ था
इस लड़की ने दृष्टिभ्रम तरंगें डालने से पहले अपनी बेल्ट को छुआ था... यानी इन दृष्टि-भ्रम तरंगों का कंट्रोल इसी बेल्ट में है। धनंजय ने इस बात पर गौर नहीं किया है। और मैं उसको यह बात न ही बोलकर बता सकता हूं, और न ही इशारा करके!
अब जो कुछ करना है, मुझे ही करना है!
ध्रुव ने अपनी प्रसिद्ध इच्छाशक्ति को एकत्रित किया। पहली हरकत उसके जबड़ों में हुई। भिंच गए जबड़े—
उसका शरीर धीरे-धीरे हिलने लगा—
और फिर अपना संतुलन खोकर, आगे की तरफ गिर पड़ा—

क्यूसरी, ध्रुव से कुछ ही फुट के फासले पर खड़ी हुई थी –
?
और एक झटके से बेल्ट उछलकर वेक्यूम के गोले से जा लगी –
और इसी के साथ टूट गया, दृष्टि भ्रम तरंगों का जाल –
ध्रुव और सैनिकों के शरीर की जकड़न भी दूर हो गई –
ध्रुव के झपट्टे उसकी बेल्ट को अपने साथ खींचते हुए, नीचे की तरफ गिरे –
सबके रूप अपनी वास्तविक अवस्था में आ गए –
क्यूसरी का भी –
और इस हादसे ने क्यूसरी को क्रोध से पागल कर दिया –
अब तुम सब भी इसी वेक्यूम के गोले में समा जाओगे!
धनंजय की शक्तियां भी वेक्यूम के भयानक खिंचाव के आगे बेकार थीं –
हूऽऽ
ये तुम्हारे फेफड़ों की सांसें तक खींच लेगा!
और तुम लोगों को मिलेगी एक दर्दनाक मौत!
सबके शरीर धीरे-धीरे खतरनाक गोले की तरफ खिंच रहे थे –
...कि तभी –
एकाएक वह गोला गायब हो गया –
य... यह क्या?
बस क्यूसरी बस!
तुम्हारे आतंक का रास्ता यहीं खत्म होता है!
बांहें शरीर से अलग हो जाने के लिए बेताब हो रही थीं...

तुम लोग!
हाँ, कपूलरी! अब तुम हमारी कैद में हो।
धन्यवाद! पर यह सब क्या हो रहा है? कौन हैं आप लोग?
हम लोग आकाश गंगा के दूसरे छोर पर स्थित एक ग्रह के वासी हैं।
और यह लड़की हमारी अपराधी है। हम इसी का पीछा करते-करते यहां तक आ गए हैं।
इसका अपराध क्या है?
इसका अपराध है एक वैज्ञानिक होना। एक महान वैज्ञानिक।
महान वैज्ञानिक होना तो अपराध नहीं होता।
हमारे ग्रह पर होता है। हमने विज्ञान में अभूतपूर्व तरक्की कर ली है। हर दिन कई नए अविष्कार हो जाते हैं।
हम प्रकृति से इतने दूर हो गए हैं कि नदी, पेड़-पौधे, पहाड़, सब यह सब सिर्फ तस्वीरों में मिलते हैं।
सारा काम रोबोट करते हैं। प्राणी आलसी हो गए हैं। संक्षेप में हम अविष्कारों से इतने परेशान हो गए हैं कि वैज्ञानिक होना भी एक अपराध हो गया है।
इसका अपराध भी एक अविष्कार है। एक महान अविष्कार! अब हम चलते हैं। हमारा टेलीपोर्टर हमको अपने ग्रह तक ले जाएगा।
विदा, पृथ्वीवासियो! किसी कष्ट के लिए क्षमा करना।
सच है अति हर चीज की बुरी होती है।

और इसी वक्त नताशा के फ्लैट में—
नताशा जी! नताशा जी!
कौन हो तुम?
यह जानना जरूरी नहीं है। मैं आपको यह कैसेट देने आया हूं। इसमें शरद-कुमार के खिलाफ ऐसे सबूत हैं, जो उसको फांसी के फंदे तक भी पहुंचा सकते हैं!
पर तुम यह कैसेट मुझे देकर मेरी मदद क्यों कर रहे हो?
क्योंकि मैं भी शरद कुमार की तबाही और बर्बादी देखना चाहता हूं।
कमाल है! चला गया!
खैर खोलकर देखूंगी कि इसके अंदर है, क्या?
लेकिन तभी—
ठक ठक
अब कौन आ गया?
इंस्पेक्टर शमशेर सिंह!
हां, मिस नताशा! हमको रिपोर्ट मिली है कि आप...
...हेरोइन की तस्करी करती हैं। वीडियो-कैसेटों के अंदर छिपाकर।
यू आर अंडर अरेस्ट, मिस नताशा!